



Mr.

12 Apr 2026

09:18 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121911206

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 12/04/2026
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 21:18:00 घंटे
इष्ट _____: 38:16:36 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 20:56:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:00:49 घंटे
साम्पातिक काल _____: 10:20:18 घंटे
सूर्योदय _____: 05:59:21 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:45:03 घंटे
दिनमान _____: 12:45:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 28:31:10 मीन
लग्न के अंश _____: 02:06:47 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी _____: मकर - शनि
नक्षत्र-चरण _____: धनिष्ठा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: मंगल
योग _____: शुभ
करण _____: विष्टि
गण _____: राक्षस
योनि _____: सिंह
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: गा-गगन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मेष

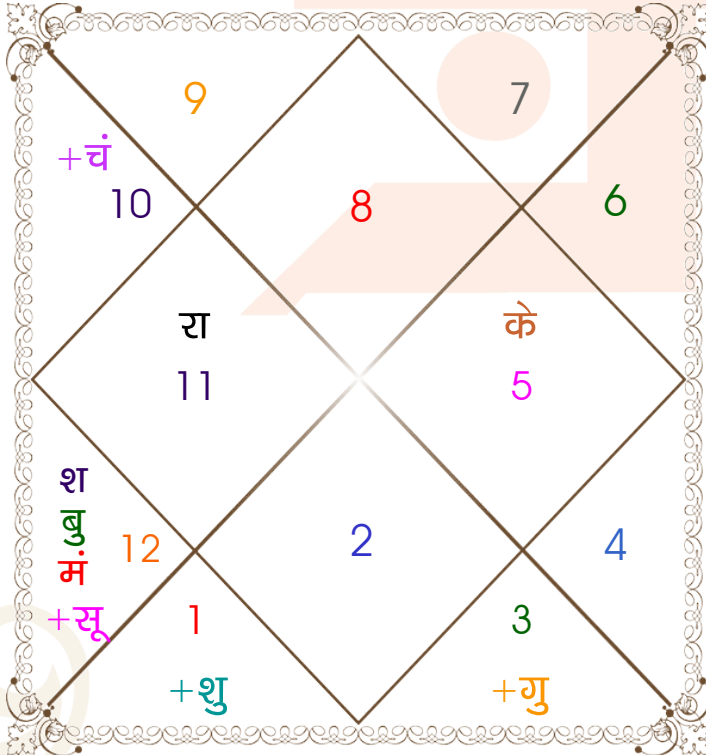
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद नं.	रा न	न अं.	स्थिति
लग्न	वृश्चि	02:06:47	306:50:09	विशाखा	4 16	मंगल	गुरु	राहु ---
सूर्य	मीन	28:31:10	00:58:51	रेवती	4 27	गुरु	बुध	शनि मित्र राशि
चंद्र	मक	26:33:14	12:47:09	धनिष्ठा	1 23	शनि	मंगल	गुरु सम राशि
मंगल	मीन	07:59:08	00:46:39	उ०भाद्रपद	2 26	गुरु	शनि	केतु मित्र राशि
बुध	मीन	02:22:50	01:19:41	पू०भाद्रपद	4 25	गुरु	गुरु	राहु नीच राशि
गुरु	मिथु	22:30:15	00:05:49	पुनर्वसु	1 7	बुध	गुरु	शनि शत्रु राशि
शुक्र	मेष	21:43:40	01:13:27	भरणी	3 2	मंगल	शुक्र	गुरु सम राशि
शनि	अ मीन	12:45:36	00:07:19	उ०भाद्रपद	3 26	गुरु	शनि	मंगल सम राशि
राहु	कुंभ	13:53:04	00:01:34	शतभिषा	3 24	शनि	राहु	बुध मित्र राशि
केतु	सिंह	13:53:04	00:01:34	पू०फाल्गुनी	1 11	सूर्य	शुक्र	शुक्र शत्रु राशि
हर्ष	वृष	05:04:39	00:02:58	कृतिका	3 3	शुक्र	सूर्य	शनि ---
नेप	मीन	08:24:31	00:02:10	उ०भाद्रपद	2 26	गुरु	शनि	शुक्र ---
प्लूटो	मक	11:09:00	00:00:40	श्रवण	1 22	शनि	चंद्र	मंगल ---
दशम भाव	सिंह	08:54:54	--	मघा	-- 10	सूर्य	केतु	गुरु --

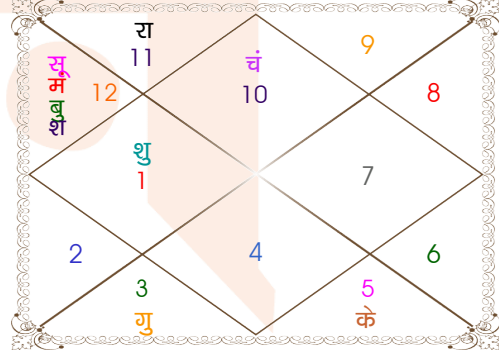
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

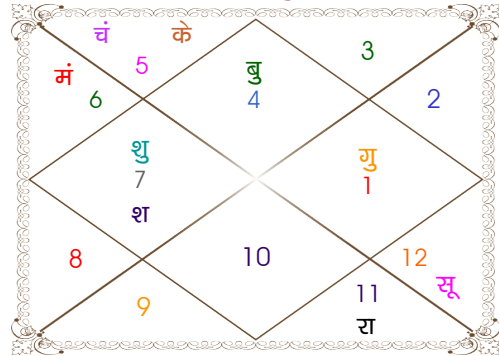
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 3 मास 21 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
12/04/2026	04/08/2031	03/08/2049	03/08/2065	03/08/2084
04/08/2031	03/08/2049	03/08/2065	03/08/2084	04/08/2101
00/00/0000	राहु 16/04/2034	गुरु 21/09/2051	शनि 06/08/2068	बुध 30/12/2086
12/04/2026	गुरु 08/09/2036	शनि 04/04/2054	बुध 16/04/2071	केतु 28/12/2087
गुरु 24/12/2026	शनि 16/07/2039	बुध 09/07/2056	केतु 25/05/2072	शुक्र 28/10/2090
शनि 02/02/2028	बुध 02/02/2042	केतु 15/06/2057	शुक्र 25/07/2075	सूर्य 03/09/2091
बुध 29/01/2029	केतु 20/02/2043	शुक्र 14/02/2060	सूर्य 06/07/2076	चंद्र 01/02/2093
केतु 28/06/2029	शुक्र 20/02/2046	सूर्य 03/12/2060	चंद्र 05/02/2078	मंगल 30/01/2094
शुक्र 28/08/2030	सूर्य 15/01/2047	चंद्र 04/04/2062	मंगल 17/03/2079	राहु 18/08/2096
सूर्य 03/01/2031	चंद्र 16/07/2048	मंगल 10/03/2063	राहु 21/01/2082	गुरु 24/11/2098
चंद्र 04/08/2031	मंगल 03/08/2049	राहु 03/08/2065	गुरु 03/08/2084	शनि 04/08/2101

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
04/08/2101	04/08/2108	04/08/2128	04/08/2134	04/08/2144
04/08/2108	04/08/2128	04/08/2134	04/08/2144	00/00/0000
केतु 31/12/2101	शुक्र 04/12/2111	सूर्य 21/11/2128	चंद्र 05/06/2135	मंगल 31/12/2144
शुक्र 02/03/2103	सूर्य 04/12/2112	चंद्र 23/05/2129	मंगल 04/01/2136	राहु 19/01/2146
सूर्य 08/07/2103	चंद्र 04/08/2114	मंगल 28/09/2129	राहु 05/07/2137	गुरु 13/04/2146
चंद्र 06/02/2104	मंगल 04/10/2115	राहु 23/08/2130	गुरु 04/11/2138	00/00/0000
मंगल 04/07/2104	राहु 04/10/2118	गुरु 11/06/2131	शनि 04/06/2140	00/00/0000
राहु 23/07/2105	गुरु 04/06/2121	शनि 23/05/2132	बुध 03/11/2141	00/00/0000
गुरु 29/06/2106	शनि 04/08/2124	बुध 29/03/2133	केतु 04/06/2142	00/00/0000
शनि 08/08/2107	बुध 05/06/2127	केतु 04/08/2133	शुक्र 03/02/2144	00/00/0000
बुध 04/08/2108	केतु 04/08/2128	शुक्र 04/08/2134	सूर्य 04/08/2144	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 3 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वाकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृत्ति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृत्ति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृत्ति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृत्ति जैसा व्यवहार करना चाहते हैं। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति रही अर्थात् इस प्रवृत्ति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढाँचे के होते हैं। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृत्ति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।